कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (58) खण्ड - {115}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- शिवबाबा का भण्डारा कौन-सा है ?

A- सुख का

B- स्वर्ग का

C- अविनाशी ज्ञान रत्नों का

D- मधुबन घर का

प्रश्न 2- हमारा कर्तव्य है -

A- डूबने वालों को भी बचाना।

B- इस कुदरत को साक्षी हो देखना है।

C- सर्व संबंधों के अनुभव को बढ़ाओ।

D- सभी को बाप का परिचय देना

प्रश्न 3- अपने वचनों (वाक्यों) में ताकत भरने के लिए -

A- बाप का बच्चा बनना है।

B- बहुत-बहुत आज्ञाकारी, मीठा होकर चलना

C- आत्म-अभिमानी रहने का अभ्यास करना है।

D- याद की यात्रा में रहना है।

प्रश्न 4- बाबा आज हमको स्नान तो कराओ, भोजन तो खिलाओ। मैं छोटा बच्चा हूँ, ?

A- ब्रह्मा शिवबाबा को कहते हैं।

B- शिवबाबा ब्रह्मा को कहते हैं।

C- आत्मा परमात्मा से कहती है।

D- परमात्मा आत्मा से कहती है।

प्रश्न 5- बाप कहते हैं तुमको सिखलाकर-

A- शान्तिधाम भेज देते हैं।

B- विषय सागर से पार कर देते हैं।

C- शिवालय में भेज देते हैं।

D- वर्से के अधिकारी बना देते हैं।

प्रश्न 6- कब ही सर्व मनोकामनायें बिना मांगे पूरी होंगी ?

A- ध्यान दीदार की इच्छा नहीं रखनी है, तो

B- कभी भी श्रीमत का उल्लंघन न हो तो

C- इच्छा मात्रम् अविद्या बनना है तो

D- कोई भी बेकायदे चलन न हो तो

प्रश्न 7- तुम्हारा यह जीवन देवताओं से भी उत्तम है, क्योंकि-

A- अभी तुम्हारी चढ़ती कला है।

B- भगवान पढ़ाते हैं।

C- तुम अभी रचयिता और रचना को यथार्थ जानकर आस्तिक बने हो।

D- इसी समय स्वयं ईश्वर बाप बनकर तुम बच्चों को सम्हालते हैं।

प्रश्न 8- बाप से याद का लिंक टूट जाए तो घबराना नहीं चाहिए पर -

A- बुद्धियोग एक बाप के साथ होना चाहिए । पुरानी दुनिया से वैराग्य हो।

B- विकर्म होने से बैटरी डिस्चार्ज हो जाती है।

C- कोशिश कर बाप के साथ लिंक जोड़नी चाहिए।

D- कदम कदम पर बाप से श्रीमत लेनी चाहिए।

प्रश्न 9- यहाँ तुम बच्चों को कौनसे ख्याल से जरूर बैठना होता है ?

A- मैं आत्मा हूँ

B- परमात्मा हमें पढाते है।

C- यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरू भी है।

D- हम आत्मा भाई भाई हैं।

प्रश्न 10- बाप भी कलष माताओं पर क्यों रखते हैं ?

A- पुरुष अक्सर करके देवाला मारते हैं, स्त्रियाँ नहीं।

B- वन्दे मातरम् गाया हुआ है ना।

C- ज्ञान मार्ग में मातायें बहुत हैं इसलिए।

D- A और B

E- A, B C

प्रश्न 11- सम्बन्ध-सम्पर्क में आये उसे कोई न कोई शक्ति का, ज्ञान का, गुण का दान दो। कर्म करते हम कौनसा दान

अर्थात् सहयोग सहज दे सकते हैं ?

A- श्रेष्ठ स्थिति के वायुमण्डल का

B- अपनी वृत्ति के वायब्रेशन्स का

C- योग का

D- A और B

प्रश्न 12- किनको ट्रेटर कहा जाता है ?

A- श्रीमत का उल्लंघन किया तो।

B- बाप का बनकर फिर माया के बन जाते, उन्हें।

C- डिस सर्विस करते हैं।

D- जिनका बाप से बिल्कुल भी योग नहीं लगता।

प्रश्न 13- ईश्वरीय घर किसे कहा जाता है ?

A- स्वर्ग

B- मधुबन

C- सुखधाम

D- परमधाम

प्रश्न-14 इनकागनीटो (गुप्त) नहीं कहेंगे ?

A- शिवबाबा

B- आत्मा

C- शक्ति

D- लक्ष्मी-नारायण

प्रश्न 15- अभिमान के कारण ही माया याद में विघ्न डालती है, इसलिए-

A- पहले देह-अभिमान को छोड़ना है।

B- सदा स्मृति रहे कि हम ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण हैं।

C- बेहद का वैराग्य लाना है।

D- स्वयं को आत्मा समझना है।

प्रश्न 16- परमात्मा बाप कब गैर हाज़िर है ?

A- सतयुग में

B- द्वापर युग में

C- भक्ति मार्ग

D- उपरोक्त सभी

भाग (58) खण्ड {115} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.अविनाशी ज्ञान रत्नों का*

शिवबाबा का भण्डारा भरपूर है। *शिवबाबा का भण्डारा कौन-सा है? (अविनाशी ज्ञान रत्नों का)* शिवबाबा का भण्डारा भरपूर काल कंटक दूर। बाप तुम बच्चों को ज्ञान रत्न देते हैं। खुद है सागर। ज्ञान रत्नों का सागर है। बच्चों की बुद्धि बेहद में जानी चाहिए।

उत्तर 2- *A.डूबने वाले को बचाना*

सदा बुद्धि में याद रहे कि हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं, हमें बाप की श्रेष्ठ गोद मिली है। हम रावण की गोद में जा नहीं सकते। *हमारा कर्तव्य है - डूबने वालों को भी बचाना।*

उत्तर 3- *C.आत्म-अभिमानी रहने का अभ्यास करना है*

अपने वचनों (वाक्यों) में ताकत भरने के लिए आत्म-अभिमानी रहने का अभ्यास करना है। स्मृति रहे - बाप का सिखलाया हुआ हम सुना रहे हैं तो उसमें जौहर भरेगा।

उत्तर 4- *A.ब्रह्मा शिव बाबा को कहते हैं*

मेरा तो बाबा है ना। मेरे घर में बैठा है। बाबा जानते हैं हँसीकुड़ी भी करते हैं। *बाबा आज हमको स्नान तो कराओ, भोजन तो खिलाओ। मैं छोटा बच्चा हूँ, (ब्रह्मा शिव बाबा को कहते हैं)* बहुत प्रकार से बाबा को याद करता हूँ। तुम बच्चों को समझाता हूँ - ऐसे-ऐसे याद करो। बाबा आप तो बहुत

मीठे हो। एकदम हमको विश्व का मालिक बना देते हो। यह बात और किसकी बुद्धि में हो न सके।

उत्तर 5- *B.विषय सागर से पार ले जाते हैं*

सर्वव्यापी के ज्ञान से सब देखो कैसे बन गये हैं। तुम जानते हो कल्प-कल्प ऐसे ही होगा। *बाप कहते हैं तुमको सिखलाकर विषय सागर से पार कर देते हैं।* कितना फ़र्क है। शास्त्र पढ़ना तो भक्ति मार्ग हुआ ना। बाप कहते हैं यह पढ़ने से मेरे से कोई नहीं मिलते।

उत्तर 6- *B.कभी भी श्रीमत का उल्लंघन न हो तो*

बाप की आज्ञा अनुसार हर कार्य करना है। *कभी भी श्रीमत का उल्लंघन न हो तब ही सर्व मनोकामनायें बिना मांगे पूरी होंगी।* ध्यान दीदार की इच्छा नहीं रखनी है, इच्छा मात्रम् अविद्या बनना है।

उत्तर 7- *C.तुम अभी रचयिता और रचना को यथार्थ जानकर आस्तिक बने हो*

यह जीवन देवताओं से भी उत्तम है, क्योंकि तुम अभी रचयिता और रचना को यथार्थ जानकर आस्तिक बने हो''यह रचयिता बाप ही आकर अपना परिचय देते हैं, आदि-मध्य-अन्त का राज़ समझाते हैं, जिससे तुम आस्तिक बनते हो। तुम एक ही बार आस्तिक बनते हो। *

उत्तर 8- *C.कोशिश कर बाप के साथ लिंक जोड़नी है*

बाप से बुद्धियोग लगाने से ही सतोप्रधान बनेंगे। बाप का बने और बाप से योग नहीं तो घड़ी-घड़ी गिरते रहेंगे। कनेक्शन ही टूट पड़ता है। लिंक टूट जाए तो घबराना नहीं चाहिए। माया हमें इतना तंग क्यों करती है। *कोशिश कर बाप के साथ लिंक जोड़नी चाहिए।* नहीं तो बैटरी चार्ज कैसे होगी।

उत्तर 9- *C.यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरु भी है*

रूहानी बच्चों को बाप ने समझाया है, *यहाँ तुम बच्चों को इस ख्याल से जरूर बैठना होता है, यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरू भी है।* और यह भी महसूस करते हो - बाबा को याद करते-करते पवित्र बन, पवित्रधाम में जाकर पहुँचेंगे।

उत्तर 10- *D. A और B*

बाबा ने शुरू में कमेटी बनाई थी तो माताओं की बनाई थी *क्योंकि कलष तो माताओं को ही मिलता है। वन्दे मातरम् गाया हुआ है ना।* अगर गोप लोग कमेटी बनाते हैं तो वन्दे गोप तो गायन नहीं है। श्रीमत पर नहीं तो माया के जाल में फँस पड़ते हैं। बाबा ने माताओं की कमेटी बनाई, उन्हों के हवाले सब कुछ कर दिया। *पुरुष अक्सर करके देवाला मारते हैं, स्त्रियाँ नहीं।* तो बाप भी कलष माताओं पर रखते हैं।

उत्तर 11- *D. Aऔर B*

जो भी सम्बन्ध-सम्पर्क में आये उसे कोई न कोई शक्ति का, ज्ञान का, गुण का दान दो। आपके पास ज्ञान का

भी खजाना है, तो शक्तियों और गुणों का भी खजाना है। तो कोई भी दिन बिना दान दिये खाली न जाए तब कहेंगे महादानी। 2- *दान शब्द का रूहानी अर्थ है सहयोग देना। तो अपनी श्रेष्ठ स्थिति के वायुमण्डल द्वारा और अपनी वृत्ति के वायब्रेशन्स द्वारा हर आत्मा को सहयोग दो* तब कहेंगे वरदानी।

उत्तर 12- *B.बाप का बनकर फिर माया के बन जाते, उन्हें*

बाप जानते हैं कि बहुत अच्छे पुरुषार्थी जो देवता बनने वाले थे वह असुर बन असुरों के साथ रहते हैं। ट्रेटर हो जाते हैं। *बाप का बनकर फिर माया के बन जाते, उन्हें ट्रेटर कहा जाता है।* अपने ऊपर नज़र रखनी होती है। श्रीमत का उल्लंघन किया तो यह गिरे। पता भी नहीं पड़ेगा।

उत्तर 13- *B.मधुवन*

बाप तुमको समझाते हैं - हम आत्मा इस समय तो ब्राह्मण हैं फिर हम आत्मा ब्राह्मण सो देवता बनेंगे, फिर सो

क्षत्रिय बनेंगे, फिर शूद्र सो ब्राह्मण। सबसे ऊंचा जन्म तुम्हारा है। *यह मधुवन है ईश्वरीय घर।* तुम किसके पास बैठे हो? मात-पिता के पास। सब भाई-बहिन हैं।

उत्तर 14- *D.लक्ष्मी-नारायण*

इनकागनीटो उनको कहा जाता है, जो है परन्तु देखने में न आये। तुम शिव-बाबा को भी इन आंखों से देख नहीं सकते। तुम भी गुप्त, तो शक्ति भी तुम गुप्त ले रहे हो। तुम समझते हो हम पतित से पावन बन रहे हैं और पावन में ही शक्ति होती है। तुम सतयुग में सब पावन होंगे।

उत्तर 15- *A.पहले देह अभिमान को छोड़ना है*

याद में कभी ग़फलत नहीं करना है। देह-अभिमान के कारण ही माया याद में विघ्न डालती है इसलिए *पहले देह-अभिमान को छोड़ना है।* योग अग्नि द्वारा पाप नाश करने हैं।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

जब परमात्मा बाप गैर हाज़िर है तो इनडायरेक्ट अल्पकाल के लिए फल देते हैं। जब हाजिर हैं तो 21जन्म के लिए देते हैं। यह गाया हुआ है शिवबाबा का भण्डारा भरपूर। देखो, ढेर बच्चे हैं, किसको भी यह मालूम नहीं है कि कौन क्या देते हैं? बाप जाने और बाप की गोथरी (ब्रह्मा) जाने, जिसमें बाप रहते हैं

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (58) खण्ड - {116}

प्रश्न 1- आत्माओं और परमात्मा का मेला किसलिए लगता है ?

A- पतित से पावन बनने के लिए या निर्विकारी से गोरे बनने के लिए

B- कांटे से फूल बनने के लिए

C- देवता बनने के लिए

D- नई दुनिया की स्थापना के लिए

प्रश्न 2- किसी भी परिवर्तन का सहज आधार कौन सी शक्ति है ?

A- समाने की

B- महसूसता की

C- स्नेह की

D- अनुभुति की

प्रश्न 3- कलह क्लेष मिटे तन के। जो भी शरीर के दुःख हैं, सब मिट जायेंगे। कब-

A- सिमर-सिमर सुख पाओ तो।

B- पारलौकिक बाप को याद करो तो।

C- शरीर से न्यारा हो बाप की याद में रहते हो तो।

D- आत्मा पावन बने तब।

प्रश्न 4- सवेरे-सवेरे उठ -

A- शरीर से न्यारा होने की ड्रिल करनी है।

B- कर्मों का हिसाब-किताब खुशी-खुशी से चुक्तू करना है।

C- अव्यक्त फरिश्ता बनना।

D- आत्मा समझ बाप को याद करो।

प्रश्न 5- महाभारत लड़ाई कब लगी ?

A- जब भगवान् ने राजयोग सिखलाया था।

B- दुनिया घोर अन्धियारे में पड़ी थी।

C- 5000 वर्ष पहले।

D- कलियुग के अन्त में।

प्रश्न 6- बहुत लोग प्रश्न पूछते हैं तुम भारत की क्या सेवा कर रहे हो ?

A- अब गार्डन में जाने का पुरुषार्थ कर रहे हैं ।

B- यह फारेस्ट है उसे गार्डन बना रहे हैं।

C- इस रावण राज्य को राम राज्य बना रहे हैं।

D- पवित्र बना रहे हैं।

प्रश्न 7- सेवा में सफलता का सहज आधार है ?

A- स्वच्छ बुद्धि,

B- स्वच्छ वृत्ति

C- स्वच्छ कर्म

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- कहते हैं शेरणी का दूध सोने के बर्तन में ही ठहरता है, इसका वास्तविक अर्थ है ?

A- तुम बच्चे समझते हो, हम अब सोने का बर्तन बन रहे हैं।

B- आत्मा की ज्योति जग रही है।

C- आत्मा जब पवित्र होगी तब धारणा होगी।

D- इस पढ़ाई और उस पढ़ाई में रात-दिन का फ़र्क है।

प्रश्न 9- हिन्दुस्तान नाम किसने रखा है ?

A- मुसलमानों ने

B- बाबा ने

C- भारतवासियों ने

D- क्रिश्चियनों ने

प्रश्न 10- .... ब्राह्मण जीवन का श्रृंगार है ?

A- शान्ति

B- खुशी

C- पवित्रता

D- सन्तुष्टता

प्रश्न 11- ब्रह्मा सो विष्णु बनने में कितना समय लगता है ?

A- 84 जन्म

B- 21 जन्म

C- एक सेकण्ड

D- एक जन्म

प्रश्न 12- तुम्हें अभी बहुत बड़ी प्राइज़ क्यों मिलती है ?

A- श्रीमत पर अच्छी सर्विस करते हो इसलिए

B- भारत को स्वर्ग बनाते हो इसलिए

C- पढ़ाई से ज्ञानवान, गुणवान बनते हो इसलिए

D- तुम बच्चे अभी बाप के मददगार बने हो इसलिए

प्रश्न 13- तुम्हारा त्रिमूर्ति कोट ऑफ आर्मस क्या है ?

A- त्रिमूर्ति शिव

B- परमधाम

C- शिवबाबा

D- बैज

प्रश्न 14- हमेशा बाबा-बाबा कहते रहो। यह भूलना नहीं है, तो-

A- विकर्म विनाश होंगे

B- अन्त मती सो गति होगी

C- सदैव शिवबाबा याद आयेगा

D- आत्मा पावन बनेगी

प्रश्न 15- 84 जन्मों की बायोग्राफी किस की है।

A- देवी-देवता धर्म वालों की

B- संन्यासियों की

C- इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन की

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- प्रतिज्ञा कराते हैं, ब्लड निकालकर भी उनसे बड़ा पत्र लिखते हैं। आज वह हैं नहीं कौन से विकार में गये ?

A- देह अभिमान

B- मोह

C- काम कटारी

D- नाम-रूप में

भाग (58) खण्ड {116} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.कांटे से फूल बनने के लिए*

यह है आत्माओं और परमात्मा का मेला। यह बुद्धि से काम लिया जाता है। परमात्मा कब आते हैं? जब बहुत आत्मायें अथवा बहुत मनुष्य हो जाते हैं तब परमात्मा मेले में

आते हैं। आत्माओं और परमात्मा का मेला किसलिए लगता है? वह मेले तो मैले होने के लिए हैं। *इस समय तुम बागवान द्वारा कांटे से फूल बन रहे हो।* कैसे बनते हो? याद के बल से।

उत्तर 2- *B.महसूसता की शक्ति*

कोई भी परिवर्तन का सहज आधार महसूसता की शक्ति है। जब तक महसूसता की शक्ति नहीं आती तब तक अनुभूति नहीं होती और जब तक अनुभूति नहीं तब तक ब्राह्मण जीवन की विशेषता का फाउण्डेशन मजबूत नहीं। उमंग-उत्साह की चाल नहीं। जब महसूसता की शक्ति हर बात का अनुभवी बनाती है तब तीव्र पुरुषार्थी बन जाते हो।

उत्तर 3- *A.सिमर-सिमर सुख पाओ तो*

दु:ख में सिमरण सब करते हैं। अब बाप बतलाते हैं कि कैसे सिमरण करो। तुमको तो सिमरण करना भी आता नहीं है। मैं ही आकर तुमको बतलाता हूँ। बच्चे अपने को आत्मा समझो और पारलौकिक बाप को याद करो तो तुम्हारे पाप

कट जायेंगे। *सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे तन के। जो भी शरीर के दु:ख हैं, सब मिट जायेंगे।*

उत्तर 4- *A.शरीर से न्यारा होने की ड्रिल करनी है*

सवेरे-सवेरे उठ शरीर से न्यारा होने की ड्रिल करनी है। यहाँ तुम आये हो जीते जी मरने। बाप पर न्योछावर होते हो। यह तो पुरानी दुनिया, पुराना चोला है, इनसे जैसे ऩफरत आती है, इनको छोड़कर जायें। कुछ भी याद न आये।

उत्तर 5- *A.जब भगवान ने राजयोग सिखलाया था*

मुख्य बात है बेहद के बाप को याद करो। जब बेहद का बाप आते हैं तो विनाश भी होता है। *महाभारत लड़ाई कब लगी? जब भगवान् ने राजयोग सिखलाया था।* समझ में आता है नई दुनिया का आदि, पुरानी दुनिया का अन्त अर्थात् विनाश होना है।

उत्तर 6- *C.इस रावण राज्य को रामराज्य बना रहे हैं*

बहुत लोग प्रश्न पूछते हैं तुम भारत की क्या सेवा कर रहे हो? *तुम इस रावण राज्य को राम राज्य बना रहे हो।* तुमसे प्रश्न पूछते हैं - इतना खर्चा कहाँ से आया? बोलो, हम बी.के. ही करते हैं। राम राज्य की स्थापना हो रही है। तुम थोड़ा रोज़ आकर समझो कि हम क्या कर रहे हैं, हमारी एम आब्जेक्ट क्या है?

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

सेवा में स्वच्छ बुद्धि, स्वच्छ वृत्ति और स्वच्छ कर्म सफलता का सहज आधार है। कोई भी सेवा का कार्य जब आरम्भ करते हो तो पहले चेक करो कि बुद्धि में किसी आत्मा की बीती हुई बातों की स्मृति तो नहीं है।

उत्तर 8- *C. आत्मा जब पवित्र होगी तब धारणा होगी*

इस पढ़ाई और उस पढ़ाई में रात-दिन का फ़र्क है। वह पढ़ाई पढ़ते-पढ़ते रात पड़ जाती है, इस पढ़ाई से दिन में चले जाते हैं। वह पढ़ाईयां तो जन्म-जन्मान्तर पढ़ते आये। इसमें तो बाप साफ बतलाते हैं कि *आत्मा जब पवित्र होगी तब

धारणा होगी। कहते हैं शेरणी का दूध सोने के बर्तन में ही ठहरता है।*

उत्तर 9- *A.मुसलमानों ने*

हिन्दू तो हिन्दुस्तान का नाम है। फिर अपने को हिन्दू कह दिया है। कितनी भूल है इसलिए बाप कहते हैं यदा यदाहि धर्मस्य.... बाबा भारत में आते हैं। ऐसे तो नहीं कहते - मैं हिन्दुस्तान में आता हूँ। यह है भारत, *हिन्दुस्तान वा हिन्दू धर्म है नहीं। मुसलमानों ने हिन्दुस्तान नाम रखा है।*

उत्तर 10- *C.पवित्रता*

पवित्रता ब्राह्मण जीवन का श्रंगार है। हर समय पवित्रता के श्रंगार की अनुभूति चेहरे वा चलन से औरों को हो। दृष्टि में, मुख में, हाथों में, पांवों में सदा पवित्रता का श्रंगार प्रत्यक्ष हो। हर एक वर्णन करे कि इनके फीचर्स से पवित्रता दिखाई देती है।

उत्तर 11- *C.एक सेकण्ड*

मैं इसमें प्रवेश करता हूँ। यह वह बनते हैं। *इनको वह (ब्रह्मा सो विष्णु) बनने में एक सेकण्ड लगता है।* साक्षात्कार हो जाता है और झट निश्चय हो जाता है - मैं यह बनने वाला हूँ। विश्व का मालिक बनने वाला हूँ। तो यह गदाई क्या करेंगे? सब छोड़ दिया।

उत्तर 12- *D.तुम बच्चे अभी बाप के मददगार बने हो इसलिए*

मीठे बच्चे - श्रीमत पर अच्छी सर्विस करने वालों को ही राजाई की प्राइज़ मिलती है, *तुम बच्चे अभी बाप के मददगार बने हो इसलिए तुम्हें बहुत बड़ी प्राइज़ मिलती है*

उत्तर 13- *A.त्रिमूर्ति शिव*

तुम बच्चे अभी त्रिमूर्ति शिव के आगे बैठे हो। तुम विजय पहनते हो। वास्तव में तुम्हारा यह त्रिमूर्ति कोट ऑफ आर्मस है। तुम ब्राह्मणों का यह कुल सबसे ऊंचा है। चोटी

है। यह राजाई स्थापन हो रही है। इस कोट ऑफ आर्मस को तुम ब्राह्मण ही जानते हो।

उत्तर 14- *C.सदैव शिवबाबा याद आयेगा*

हमेशा बाबा-बाबा कहते रहो। यह भूलना नहीं है, तो सदैव शिवबाबा याद आयेगा। यह हमारा बाबा है। पहले-पहले है यह बेहद का बाबा। बाबा कहने से ही वर्से की खुशी में आते हैं। सिर्फ भगवान् वा ईश्वर कहने से कभी ऐसा विचार नहीं आयेगा।

उत्तर 15- *A.देवी-देवता धर्म वालों की*

देवी-देवता धर्म वाले ही सालवेन्ट से इनसालवेन्ट बनते हैं। अभी तुम लक्ष्मी-नारायण के मन्दिर में जायेंगे। तुम तो वन्डर खायेंगे। इस घराने के तो हम थे, अभी हम पढ़ रहे हैं। इनकी आत्मा भी बाबा से पढ़ रही है। आगे तो जहाँ-तहाँ तुम माथा टेकते थे। अभी ज्ञान है, *हर एक के सारे 84 जन्मों की बायोग्राफी को तुम जानते हो।*

उत्तर 16- *C.काम कटारी*

बाप कहते हैं काम कटारी चलाई तो यह भी एक-दो को दु:ख दिया इसलिए प्रतिज्ञा कराते हैं, ब्लड निकालकर भी उनसे बड़ा पत्र लिखते हैं। आज वह हैं नहीं। बाप कहते अहो माया! तुम बड़ी जबरदस्त हो। ऐसे-ऐसे बच्चे जो ब्लड से भी लिखकर देते हैं, तुम उनको भी खा लेती हो।